मन्दिर में एक दिन—गुरुवार, २६ नवम्बर

सोमवार, २३ नवम्बर, २०२०

आत्मीय पाठकगण,

Thanksgiving ['थैन्क्स्गिविंग'] की अनेकानेक शुभकामनाएँ!

श्रीगुरुमाई ने कहा है कि श्री मुक्तानन्द आश्रम में थैन्क्स्गिविंग मनाने का एक तरीक़ा यह हो, मन्दिर में एक दिन बिताना। आप जानते ही हैं कि जब गुरुमाई जी कुछ कहती हैं या करती हैं तो वह कभी किसी एक ही व्यक्ति या एक ही जगह के लिए नहीं होता। इसलिए, इस वर्ष के थैन्क्स्गिविंग पर्व पर, हम आपको प्रेम से आमन्त्रित करते हैं कि आप 'मन्दिर में एक दिन' में भाग लें। आइए, हमारे साथ इस सीधे वीडिओ प्रसारण में भाग लें जो एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन द्वारा निर्मित है। सिद्धयोग वैश्विक हॉल में अपने सिद्धयोग परिवार के साथ कृतज्ञता के इस दिन का उत्सव मनाते हुए आपको ख़ूब मज़ा आएगा।

'मन्दिर में एक दिन' के अन्तर्गत सिद्धयोग के अनेकानेक अभ्यास हैं। थैन्क्स्गिविंग दिन पर सीधा वीडिओ प्रसारण प्रातः ५:३० बजे श्रीगुरुगीता के पाठ के साथ आरम्भ होगा और रात ९:३० बजे इसका समापन होगा। अपने परिवार और मित्रजन के साथ भेंट-मुलाक़ातों के बीच—जो कि हो सकता है तकनीकी साधनों के माध्यम से हों—पूरे दिन के दौरान आपको जब भी समय मिले तब भगवान नित्यानन्द मन्दिर में अवश्य पधारें। इसमें दर्शन और मनन होगा, स्वाध्याय, नामसंकीर्तन, ध्यान होगा, आरती होगी, पूजा होगी और भी बहुत कुछ होगा।

- **तारीख़ :** गुरुवार, २६ नवम्बर, २०२०
- **समय :** प्रातः ५:३० से रात ९:३० बजे तक, ईस्टर्न स्टैन्डर्ड टाइम [न्यूयॉर्क समय, यू. एस. ए.]
- **स्थान :** सिद्धयोग वैश्विक हॉल [सिद्धयोग पथ की वेबसाइट के माध्यम से]

‘मन्दिर में एक दिन’ की अवधि सोलह घण्टे है—भारत के शास्त्रों में वर्णित, चन्द्रमा की सोलह कलाओं के लिए। इस दिन आप मन्दिर में बिताने के लिए जितना भी समय निकाल पाएँ—कृपया यह जानें कि वह बिलकुल ठीक होगा।

आभार सहित,

आर्या पैक्सटन और शॅल्बी किन्डम
‘मन्दिर में एक दिन’ की निदेशक-टीम की सदस्याएँ

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।